

## इस्लाम ने सूद को वर्जित क्यों किया है ?

इस्लाम में धन का उद्देश्य व्यापार, वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान, निर्माण और आबादकारी है। अतः जब हम कमाने के उद्देश्य से धन उधार देते हैं, तो हम धन को आदान-प्रदान और विकास का साधन बनाने के बजाय उसे ही साध्य बना लेते हैं।

ऋणों पर लगाया जाने वाला ब्याज या सूद उधारदाताओं के लिए एक प्रोत्साहन है, क्योंकि उनके नुकसान की संभावना नहीं होती है। इस प्रकार उधारदाताओं द्वारा हर वर्ष अर्जित संचयी लाभ अमीर और गरीब के बीच की खाई को और चौड़ा करेगा। हाल के दशकों में, सरकारों और संस्थानों को इस चीज़ में बड़े पैमाने पर फंसाया गया है, जिसके कारण हमने कुछ देशों की आर्थिक व्यवस्था के चरमराने के कई उदाहरण देखे हैं। सूदखोरी के अंदर समाज में भ्रष्टाचार फैलाने की ऐसी ताकत है, जो किसी दूसरे अपराध में नहीं है। [282]

अल्लाह तआला ने कहा है : ईसाई सिद्धांतों के आधार पर, थॉमस एक्विनास ने सूदखोरी या ब्याज के साथ उधार लेने की निंदा की है। चर्च, अपनी महान धार्मिक और सांसारिक भूमिका के कारण, दूसरी शताब्दी से धर्म गुरुओं के बीच इसे प्रतिबंधित करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करने के बाद अपनी जनता के बीच सूदखोरी के निषेध को सामान्य बनाने में सफलता प्राप्त की। थॉमस एक्विनास के अनुसार, ब्याज पर रोक लगाने का औचित्य यह है कि ब्याज उधारकर्ता पर ऋणदाता की प्रतीक्षा की कीमत नहीं हो सकता है, अर्थात् उस समय की कीमत जो उधारकर्ता लेता है, क्योंकि वे इस कार्य (उधार के लेन देन) को व्यापारिक लेन-देन के रूप में देखते हैं। अतीत में, दार्शनिक अरस्तू का मानना था कि पैसा विनिमय का एक साधन है न कि लाभ एकत्र करने का रास्ता। जहाँ तक प्लेटो की बात है, तो वह लाभ को शोषण के रूप में देखते थे, फिर भी अमीरों ने समाज के गरीब सदस्यों पर इसको आजमाया (उनसे लाभ और ब्याज लिया)। यूनानियों के समय में सूदी लेन-देन अत्यधिक प्रचलित था। यह कर्जदाता का अधिकार था कि वह कर्जदार को गुलाम बाजार में बेच दे, अगर वह अपने कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ हो। रोमनों के यहाँ भी स्थिति अलग नहीं थी। उल्लेखनीय है कि यह निषेध धार्मिक प्रभावों के अधीन नहीं था, क्योंकि यह ईसाई धर्म के आगमन से तीन शताब्दियों पहले हुआ था। ज्ञात रहे कि बाइबल ने अपने अनुयायियों को सूदखोरी का मामला करने से मना किया था और ऐसा ही तौरात ने पहले किया था।

"ऐ ईमान वालो ! कई-कई गुणा करके ब्याज[73] न खाओ। तथा अल्लाह से डरो, ताकि तुम सफल हो।" [283] [सूरा आल-ए-इमरान : 130]

"और तुम ब्याज पर जो (उधार) देते हो, ताकि वह लोगों के धनों में मिलकर अधिक हो जाए, तो वह अल्लाह के यहाँ अधिक नहीं होता। तथा तुम अल्लाह का चेहरा चाहते हुए जो कुछ ज़कात से देते हो, तो वही लोग कई गुना बढ़ाने वाले हैं।" [284] [सूरा अल-रूम : 39]

ओल्ड टैस्टमेंट ने भी सूदखोरी को हुराम किया थल, जैसे कि हम Book of Leviticus में अनगिनत उदलहरण पलते हैं। उदलहरण स्वरूप :

"और यदि तुम्हलरल भलई गरीब हो और उसकल हलथ तंग हो जलए, तो एक अजनबी हो यल देशवलसी, उसकी मदद करो, तलकि वह तुम्हलरे सलथ जी सके। न उससे कोई ब्यलज लो और न ललभ। अपने मलबूद से डरो, तलकि तुम्हलरल भलई तुम्हलरे सलथ जी सके। अपनी चलँदी को सूद पर मत दो और न अपने खलने को सूद पर दो।" [285]

जैसे कि मैंने पूर्व में उल्लेख किया, यह मललूम है कि नबी ईसल -अलैहिससलम- की शरीयत और मूसल -अलैहिससलम- की शरीयत एक ही है, जैसे कि ईसल की जुबलनी न्यू टेस्टलमेंट में आयल है। [Book of Leviticus 25:35-37]

"यह मत सोचो कि मैं पिछले नबियों की शरीयत यल विधलन को तोड़ने आयल हूँ। मैं उनको तोड़ने नहीं, बल्लिक पूरल करने आयल हूँ। मैं तुमसे सच कहतल हूँ। धरती एवं आकलश के बलकी रहने तक विधलन कल एक शब्द यल एक बिंदू कम न होगल, यहाँ तक कि पूरल हो जलए। जो कोई इन छोटो से छोटो आज़लओं में से किसी एक को तोड़ेगल और जो मनुष्यों को ऐसा सिखलएगल, वह स्वर्ग के रलज्य में सबसे छोटल कहललएगल। परन्तु जो कोई अमल करेगल और सिखलएगल, वह स्वर्ग के रलज्य में महलन कहललएगल।" [286] [मत्ती कल सुसमलचलर 5:17-19]

इस आधलर पर, ईसलई धर्म में सूद वर्जित होगल, जैसे कि यह यहूदी धर्म में वर्जित थल।

जैसे कि कुरलन में आयल है :

"चुनलँचे यहूदी बन जलने वललों के बड़े अत्याचलर ही के कलरण हमने उनपर कई पलक चीज़ें हुरलम कर दीं, जो उनके ललए हलललल की गई थीं तथल उनके अल्ललह के रलस्ते से बहुत अधिक रोकने कल कलरण। तथल उनके ब्यलज लेने के कलरण, जबकि निश्चय उन्हें इससे रोकल गयल थल और उनके लोगों कल धन अवैध रूप से खलने के कलरण। तथल हमने उनमें से कलफ़िरों के ललए दर्दनलक यलतनल तैयलर कर रखी है।" [287] [सूरल अल-निसल : 160,161]

इस्ललम - प्रश्न एवं उत्तर के मलध्यम से

Source: <https://islam.contact/qa/hi/show/104/>

Arabic Source: <https://islam.contact/qa/ar/show/104/>

Friday 19th of June 2026 02:49:12 PM